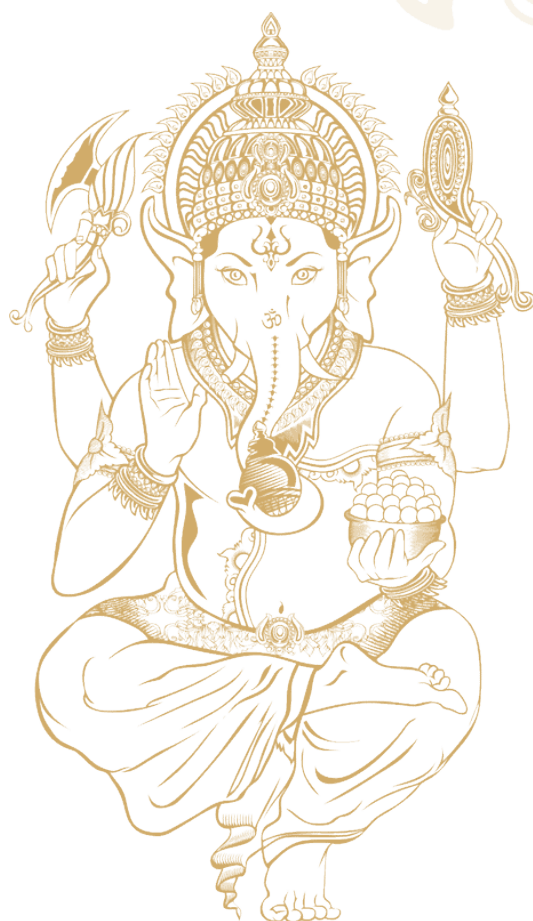




?????

05 May 1990

अंक ज्योतिष फल

नाम	?????
जन्म तिथि	05/05/1990
मूलांक	5
भाग्यांक	2
नामांक	0
मूलांक स्वामी	बुध
भाग्यांक स्वामी	चन्द्र
नामांक स्वामी	
मित्र अंक	3, 9, 2
शत्रु अंक	4
सम अंक	1, 6, 7, 8
मुख्य वर्ष	2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057,2066
शुभ आयु	13,22,31,40,49,58,67,76
शुभ वार	गुरु, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, मई, सित
शुभ तारीख	5, 14, 23
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना,बिलौर,मरगज
अनुकूल देव	लक्ष्मीनारायण
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	हरित
मंत्र	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः
शुभ यंत्र	गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8



FUTUREPOINT
Astro Solutions



अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगे। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।